कैश कॉन्शसनेस (Cash Consciousness)

01) जब हम यह समझ लेते हैं कि हमें सम्मानजनक और ईमानदार तरीकों से समृद्ध और सम्पन्न होने का अधिकार है, तब हमारा मृत अतीत, जीवित वर्तमान और अजन्मा भविष्य—तीनों स्वतः संतुलित और सुरक्षित हो जाते हैं।

02) ईश्वर (Divinity), मनुष्य (Humanity) और धन (Prosperity) आध्यात्मिक और आध्यात्मिकतत्वज्ञान के स्तर पर आपस में जुड़े हुए हैं। इनमें से किसी एक के बिना शेष दो का कोई अर्थ नहीं रहता।

03) गरीबी उतनी ही बड़ी त्रुटि और अपराध है जितना कि पाप। यह ईश्वर की कृपाओं के प्रति मानवता की अज्ञानता है। युगों से गरीबी एक असहज रोग और मानसिक असंतुलन का रूप रही है।

04) जब हम जीवन के तीन स्तरों—भौतिक स्तर, मानसिक स्तर और आध्यात्मिक स्तर—के बीच संतुलन बनाना सीखते हैं, तब हम कैश कॉन्शसनेस के मार्ग पर अग्रसर होते हैं।

05) कैश कॉन्शसनेस का विपरीत है गरीबी चेतना, जो हमारे प्राचीन विचारों, उत्पीड़न, नरक, दिखावटी पवित्रता, प्रतिशोध और त्याग, कठिनाई, अस्थिरता, दुख और पीड़ा को जीवन का अनिवार्य हिस्सा मानने वाली पीढ़ीदरपीढ़ी चली आ रही मान्यताओं से जन्म लेती है।

06) कैश कॉन्शसनेस हमें सिखाती है कि हम दिनभर में नियमित अंतराल पर स्थिरता और मौन का अभ्यास करें। इससे हम अपने भीतर स्थित ईश्वर और अपने बाहर स्थित ईश्वर से जुड़ते हैं, और फिर यही दिव्य शक्तियाँ हमारी वर्तमान परिस्थितियों पर कार्य करने लगती हैं।

07) THOUGHT (आंतरिक स्रोत) और SOURCE (बाह्य स्रोत) के बीच के संबंध पर निरंतर और ईमानदारी से कार्य करना एक स्वस्थ, संतुलित और सामंजस्यपूर्ण कैश कॉन्शसनेस की अनिवार्य शर्त है।